हिंदी विभाग / Department of Hindi

पीएच.डी. - हिंदी : पाठ्यक्रम 2019
Ph.D. - Hindi : Course Work 2019

एक सेमेस्टर का कोर्स वर्क | कुल क्रेडिट- 16 | शिक्षण अवधि- 40 घंटे /पाठ | परीक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य एमफिल/पीएचडी रेगुलेशन के आधार पर |

सेमेस्टर- I

कोड	प्रश्नपत्र	क्रेडिट
DPH-101	शोध प्रविधि	4
वैकल्पिक (कोई एक) DPH 102 DPH 103 DPH 104 DPH 105	 आधुनिक साहित्य सिद्धांत साहित्य और सिनेमा हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन प्रवासी साहित्य	4
DPH 106	भारतीय भक्ति कविता	4
DPH 107	भारतीय उपन्यास	4

DPH 101 - शोध प्रविधि

1. शोध का स्वरूप: अर्थ, तत्व ; रचना, आलोचना एवं शोध ; साहित्यक एवं साहित्येत्तर शोध

2.शोध की दृष्टियाँ :आलोचनात्मक,विश्लेषणात्मक,तुलनात्मक,सर्वेक्षणात्मक,मूल्यांकनपरक,ऐतिहासिक,समाजशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक

3. शोध प्रक्रिया : जिज्ञासा एवं विषय चयन, परिकल्पना, शोध सैद्धांतिकी, अभिकल्पन (disign) एवं अध्यायीकरण

4. शोध लेखन : सामग्री चयन एवं विभाजन, विश्लेषण की शैलियाँ, सन्दर्भ सूची, रचनात्मक शोध भाषा, शोध की मौलिकता एवं नैतिकता, कम्प्यूटर प्रविधि : कम्प्यूटर का परिचय,नेट संयोजन,पी.पी.टी.

अनुशंसित ग्रंथ :

1- डॉ विनय मोहन शर्मा : शोध प्रविधि
2- डॉ हरिश्चंद्र वर्मा : शोध प्रविधि
3- हरिमोहन : कंप्यूटर और हिंदी
4- डॉ सावित्री सिन्हा एवं डॉ. विजयेन्द्र स्नातक :अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली,
5- डॉ देवराज उपाध्याय : साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान , नेशनल पब्लिशिग हाउस,दिल्ली
6. सं. अमियदेव एवं शिशिर कुमार दास : कम्पैरेटिव लिटरेचर : थ्यौरी एण्ड प्रैक्टिस , इंडियन इंस्ट्टियूटट आफ एडवांस स्टेडीज,शिमला

DPH 102 - आधुनिक साहित्य सिद्धांत

1. मध्ययुगीन बोध, नवजागरण एवं पुनर्जागरण, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, समकालीनता

2. अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

3. साहित्य का समाजशास्त्र : प्रमुख दृष्टियाँ एवं पद्धतियाँ, हिंदी के प्रमुख उपन्यासों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण ,साहित्य और यथार्थवाद

4. स्त्री-विमर्श, दलित-विमर्श, आदिवासी विमर्श, राष्ट्रवाद

अनुशंसित ग्रंथ :

10- लिटरेरी क्रिटिसिज्म ए शार्ट हिस्ट्री : विम्डासाट विलियम्स के ऐंड क्लीन्थ बुक्स -, लंदन
11- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा -, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
12- नई समीक्षा के प्रतिमान - निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली
13- पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र : डॉ.नागेन्द्र
14- कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह -, राजकमल, दिल्ली
15- पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन -, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
16- आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह -, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली
17- आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिं -
18- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पांडेय -, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

DPH 103 - साहित्य और सिनेमा

1- सिनेमा : अर्थ एवं प्रकृति, सिनेमा का उद्‌भव एवं विकास, पुराना और नया सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्‌धांत, सिनेमा और समाज, सिनेमा और साहित्य

2- हिंदी सिनेमा का उद्‌भव,सिनेमाई विकास के विविध सोपान, स्वतंत्रता पूर्व हिंदी सिनेमा, लोकतंत्र और सिनेमा , सिनेमाई यथार्थवाद, सिनेमा और बाजारवाद

3- सिनेमा और साहित्य के अंतर्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, सिनेमा और हिंदी कहानी,

4- पाठ

चित्रलेखा (भगवती चरण वर्मा)---------चित्रलेखा (निर्देशक-केदार शर्मा, 1964)
गोदान (प्रेमचंद)------- गोदान (निर्देशक- त्रिलोक जेटली, 1963)

अनुशंसित ग्रंथ :

1- अनुपम ओझा : भारतीय सिने-सिद्‌धान्त
2- जय सिंह (सं) : भारतीय सिनेमा का सफरनामा
3- गंगा प्रसाद शर्मा : हिंदी सिनेमा का सुहाना सफ़र
4- प्रहलाद अग्रवाल : हिंदी सिनेमा : आदि से अंत
5- जवरीमल्ल पारख : हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र
6- टी.शशिधरन : सिनेमा के चार अध्याय
7- वसुधा का हिंदी सिनेमा अंक, 2009
8- चंद्रकांत मिसाल : सिनेमा और साहित्य का अन्तःसम्बन्ध

DPH 104 - हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन

1, साहित्य और इतिहास दृष्टि- पूर्व और पश्चिमी परंपरा, साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत, नव्य-इतिहासवाद

2. हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन : परंपरा, दृष्टियाँ एवं पुनर्लेखन के प्रश्न, काल विभाजन एवं नामकरण के विवाद,आदिकाव्यों की प्रमाणिकता के प्रश्न, भक्ति आंदोलन के उदय और विकास सम्बन्धी मत- मतान्तर, आ.शुक्ल और आ. द्विवेदी का साहित्येतिहास लेखन: विवाद एवं समाधान, विविध इतिहास दृष्टियाँ

3. रीति काव्य : मूल्यांकन के मत-मतान्तर, कवियों के पुनर्मूल्यांकन के प्रश्न

4. आधुनिक हिंदी साहित्य की पहचान, विकास के विविध सोपान, विविध साहित्यिक विवाद (देव-बिहारी, कबीर-तुलसी उर्वशी विवाद आदि)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी , बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-एक) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , वाणी विताान, ब्रह्मनाल, वाराणसी ।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं0 नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी , लोकभारती, इलाहाबाद
8. साहित्य का इतिहास-दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा , बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद ।

DPH 105 - प्रवासी साहित्य

1- प्रवासी साहित्य: अर्थ और अवधारणा ; सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना ; प्रवासी साहित्य का सौंदर्य शास्त्र ; प्रवास साहित्य का भारत बोध

2- गिरमिटिया साहित्य का उद्‌भव और विकास ; नवजागरण, राष्ट्रीयता और वैश्विक परिप्रेक्ष्य, प्रवासी साहित्य का स्वरुप एवं विकास- मारीशस, फिजी, सूरीनाम, गयाना, त्रिनिदाद, टोबैगो आदि देशों के परिप्रेक्ष्य में

3- यूरोपीय देशों का प्रवासी साहित्य : स्वरुप, विकास और वैशिष्ट्य ; अमेरिका का प्रवासी साहित्य : स्वरुप, विकास और वैशिष्ट्य ; खाड़ी देशों का प्रवासी साहित्य : स्वरुप, विकास और वैशिष्ट्य ; प्रवासी साहित्य और स्त्री चेतना

4- पाठ :

1.प्रतिनिधि कहानियां: तेजेंद्र शर्मा

2- लाल पसीना : अभिमन्यु अनत

अनुशंसित ग्रंथ :

1. गिरमिटिया : द ओरिजिन्स आफ दॅ इंडियन्स, बृजविलास लाल
2. ब्रिटेन में हिन्दी साहित्य, भाषा पत्रिका विशेषांक, मार्च-अप्रैल, 2003, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली |
3. विश्व में हिन्दी : करूणाशंकर उपाध्याय
4. भारतीय डायस्पोराः विविध आयाम-सम्पादक, रामशरण जोशी तथा अन्य |
5. विदेशों में हिन्दी साहित्य, भाषा पत्रिका विशेषांक, मार्च-अप्रैल, 2003, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली |
6. वर्तमान साहित्य, कुंवर पाल सिंह, नमिता सिंह (संपादक), प्रवासी हिंदी लेखन तथा भारतीय हिंदी लेखन, उषा राजे सक्सेना (जनवरी, फरवरी 2006), पृ-62
7. डॉ. कमल किशोर गोयनका : हिंदी का प्रवासी साहित्य, प्रथम संस्करण 2011, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, पृष्ठ, 47

DPH 106 - भारतीय भक्ति कविता

1- भक्ति की ज्ञानमीमांसा ; भक्ति और साहित्य ; भक्ति, समाज और संस्कृति, भक्ति कविता में सामाजिक विद्रोह, संस्कृत साहित्य में भक्ति के स्रोत- वेद, उपनिषद,भगवतगीता, श्रीमद्भागवत, नारद और शांडिल्य के भक्ति सूत्र, भक्ति और सामाजिक परिवर्तन

2- दक्षिण भारत की भक्ति परंपरा एवं विविध सम्प्रदाय, आलवार एवं नयनार, वैष्णव एवं शैव भक्ति दर्शन

3- उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन, निर्गुण और सगुण भक्ति धारा, कबीर, नानक, तुलसी, सूर, जायसी, मीरा और अन्य कवि

4- भक्ति की उड़िया और गुजराती धाराएँ ,बंगाल का गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय तथा प्रमुख वैष्णवकवि, महाराष्ट्र के विविध भक्ति संप्रदाय -मराठी के प्रमुख संत कवि, शंकरदेव और असम का भक्ति आन्दोलन, कश्मीरी भक्ति कविता

(ख)

पाठ - बसव, चंडीदास, नानक, तुकाराम, शंकरदेव और लल्लद्येद की 10 चुनी हुई कवितायेँ

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सिक्ख गुरूओं का पुण्य स्मरण ,नई दिल्ली-1979
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : मध्यकालीन धर्म साधना, इलाहाबाद-1962
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, नई दिल्ली-1978
4. हरिरामचंद्र दिवेकर : संत तुकाराम, इलाहाबाद, 1970
5. परशुराम चतुर्वेदी : उत्तरी भारत की संत परम्परा, इलाहाबाद,1972
6. परशुराम चतुर्वेदी : संत साहित्य के प्रेरणास्त्रोत, दिल्ली-1980
7. नामवर सिंह : दूसरी परम्परा की खोज, दिल्ली-1982
8. भालचंद्र नेमाडे : तुकाराम, नई दिल्ली-1983
9. वी. आर. नारल : वेमना, 1971
10. सुकार सेन : चण्डीदास, नई दिल्ली, 1977
11. विश्वनाथ काशीनाथ राजवाडे : रामदास, आलोचना-85, नई दिल्ली
12. गजानन माधव मुक्तिबोध : मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का एक पहलू (मुक्तिबोध रचनावली-5), नई दिल्ली, 1980
13. कामिल बुल्के : रामकथा : उत्पत्ति और विकास, इलाहाबाद-1980

DPH 107 - भारतीय उपन्यास

1. भारतीय भाषाओँ में उपन्यास के आरम्भ की पृष्ठभूमि, उपन्यास और प्राचीन भारतीय कथा परंपरा, आरंभिक भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, पाश्चात्य औपन्यासिक प्रभाव, उपन्यास और यथार्थवाद,आरंभिक उपन्यासकार- बंकिमचन्द्र चटर्जी, फकीर मोहन सेनापति और अन्य

2. आधुनिक भारतीय उपन्यास का उद्भव एवं विकास, स्वाधीनता संग्राम और उपन्यास, किसान एवं उपन्यास- प्रेमचंद तथा अन्य उपन्यासकार, स्त्री मुक्ति आन्दोलन एवं उपन्यास- शरतचंद्र एवं अन्य, मध्यवर्ग और भारतीय उपन्यास

3. स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास की विविध धाराएँ, विभाजन और भारतीय उपन्यास, आंचलिक उपन्यास, कथ्यगत एवं रूपगत विविध प्रयोग, दलित आन्दोलन और उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर भारत के प्रमुख उपन्यास

पाठ :

1. संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति
2. कुफ्र : तस्लीमा दुर्रानी
3. आनंद मठ : बंकिमचंद्र चटर्जी
4. नर वानर : शरण कुमार लिंबाले

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य : डा0 भोला शंकर व्यास ।
2. भारतीय साहित्य : डॉ0 नगेन्द्र |
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं : डॉ0 रामविलास शर्मा ।
4. भारतीय चिंतन परम्परा : के0 दामोदरन ।
5. आधुनिक भारतीय चिंतन : डॉ0 विश्वनाथ नरवणे ।
6. इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स: सं.- के. एस. आर. आयंगर साहित्य अकादमी दिल्ली |
7. कंपरेटिव लिटरेचरए : नगेन्द्र दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली |
8. भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास चौखंभा वाराणसी |
9. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा राजकमल दिल्ली |